



श्री बृहद् मुंजर्घ पद्यमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित : मातुश्री मणिभहेन मणशी लीमशी छाडवा (सामजीयारीवाणा)
धार्मिक शिक्षण बोर्ड आयोजित वार्षिक परीक्षा जैनशाळा/महिलामंडळनुं पेपर
ता. २३-०८-२०१५ • समय: जपोरे २ थी प • श्रेणी : ७ • गुण : १००

(Dharmik Shikshan Board Certificate Course Level : 7)

प्र. : १. सामायिक अने प्रतिभभागने आधारे जवाब लभो : (३०)

- | | |
|---|---|
| (१) प्रतिभमणना पारमा व्रतना अतियारनो भूण पाठ तथा अर्थ लभो | ५ |
| (२) पांचमा सूत्रमां साधु माटे क्या शब्दनो प्रयोग धयो छे ? भूण पाठ तथा अर्थ लभो. | ५ |
| (३) ज्वना संक्षेपधी लेट्ट केटला ? क्या क्या. | ५ |
| (४) अक्षय्यनी गुप्ति केटली ? (कोई पण पांच) | ५ |
| (५) पाठपूर्ति करी तेना अर्थ लभो | ५ |
| सत्यं अविहमविसंधि | |
| (६) आंकडामां जवाब लभो | ५ |
| (१) असमाधिना स्थान, (२) सिद्धोना गुण (३) अशातना | |
| (४) श्रावकनी पडिमा (५) सपल दोष | |

प्र. : २. गतागतने आधारे जवाब आपो : (२८)

- | | |
|--|----|
| (१) गतागत अेटले शुं ? | २ |
| (२) नीयेना ज्वोनी इकत गत लभो (विस्तारधी) | ५ |
| (१) सर्वार्थ सिद्धना देव (२) उभी नरकनो नारकी (३) लकुस केरी | |
| (४) औरावत हाथी (५) भरत चक्रवर्ती | |
| (३) नीयेना ज्वोनी इकत आगत लभो (विस्तारधी) | ५ |
| (१) ईशान देवलोकनो देव (२) मच्छर (३) पोपट | |
| (४) हेमवयनो मनुष्य (५) कृष्ण वासुदेव | |
| (४) नीयेना भोलनी गतागत लभो (इकत अंकमां लभो) | १० |
| (१) वंटोणियो (२) असुरकुमार (३) भरत क्षेत्रना साधु (४) पूनमनो चंद्र | |
| (५) केवणी लगवान (६) स्वयंभूरमणानी माछली (७) जीवा किल्विधिना देव | |
| (८) मन वगरनो मोर (९) समकित दृष्टिनी (१०) स्त्री वेदनी | |
| (५) नीयेना प्रश्नोना जवाब गतागतने आधारे आपो : | ६ |
| (१) गरोणी भरीने केटली नरक सुधी जई शके ? | १ |
| (२) असंक्षी तिर्य्य पंचे. क्या देवलोक सुधी जय ? | १ |
| (३) केटली नरकमांथी आवेल ज्व साधु थई शके ? | १ |
| (४) क्या क्या ज्वो इकत तिर्य्य गतिमां ज जय ? | १ |
| (५) उ७१ लेट्टनी आगत क्या क्या ज्वोलां लाबे ? | १ |
| (६) ६४ देवोमां क्या क्या देवोना समावेश थाय छे ? | १ |

प्र. : ३. ६३ श्लाघनीय महापुरुषना आधारे लभो : (७)

- | | |
|--|---|
| (१) भरत क्षेत्रना तीर्थकर, चक्रवर्ती, वासुदेव, जणदेवनी जघन्य अवगाहना लभो तथा तेनी माताने केटला स्वप्न आवे. | ४ |
| (२) संपूर्ण संसार काणमां वासुदेव तथा जणदेवनी पदवी केटली वार भजे छे ? | २ |
| (३) वासुदेव तथा चक्रवर्तीने केटला लव पाडी हांय ? | १ |

પ્ર. : ૪. વ્યવહાર સમકિતના ૬૭ બોલના આધારે જવાબ લખો :

(૧૫)

- (૧) વ્યવહાર સમકિતી કોને કહેવાય ? તેના કેટલા બોલ છે ?
ફક્ત નામ લખો. ૩
- (૨) શું કરવાથી સમકિત દુષિત થાય છે સમજાવો. ૫
- (૩) આગાર એટલે શું ? તે કેટલા છે ફક્ત નામ લખો. ૩
- (૪) વ્યાખ્યા લખો : ૩
- (૧) ઉપબુંદણા (૨) બીજ રુચિ (૩) અમૂઢ દષ્ટિ
- (૫) સમકિતનું ફળ શું હોય ? કોઈ પણ બે મુદ્દા લખો. ૧

પ્ર. : ૫. વાર્તાના આધારે જવાબ લખો :

(૧૦)

- (૧) લલિત મંડળીએ ક્યું અપકૃત્ય કર્યું. ૩
- (૨) દેડકાના ભવમાં નંદમણિયારને ક્યું જ્ઞાન થયું ? તેણે શું અભિગ્રહ કર્યો ? ૩
- (૩) થાવરચ્યા પુત્ર કઈ નગરીમાં રહેતા હતા ? કયા પર્વત પર સંધારો કર્યો ? ૨
- (૪) દુર્દર દેવ કોણ હતો ? તે કયા વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા ? ૨

પ્ર. : ૬. નીચેની પંક્તિઓ પૂર્ણ કરો :

(૧૦)

- (૧) ઉરચેરશોક પાર્શ્વવર્તિ ૩
- (૨) નાસ્તં લોકે ૩
- (૩) મન્યે ભવાન્તરેપિ ૩
- (૪) ભક્તામર સ્તોત્ર કયા રાગમાં છે ૧

અથવા

ભક્તિ ગીતના આધારે પંક્તિઓ પૂર્ણ કરો.

(૧૦)

- એ વાણી જેણે બની જઈએ.
- આ ચલ કે ગગન કે તલે.
- આ દુષમકાળે જીવતા તું વળજે.



“જય જિનેન્દ્ર”

